Title: Regarding declaration by the Vishwa Hindu Parishad to construct Ram Temple at Ayodhya.

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : उपाध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान एक बहुत ही महत्वपूर्ण बात की ओर आकर्ति करना चाहता हूं। अयोध्या में बाबरी मस्जिद को 1992 में ध्वस्त करने का प्रयत्न किया गया। आज वहां विश्व-हिंदू-परिद् द्वारा राम-मंदिर बनाने की घोणा हो रही है। यह इश्यू अभी न्यायालय में है, हाई-कोर्ट में है। जब तक हाई-कोर्ट का जजमेंट नहीं आता है तब तक वहां राम-मंदिर के

निर्माण का काम शुरू नहीं होना चाहिए। इसलिए वहां आर्मी तैनात करने की आवश्यकता है, क्योंकि राज्य सरकार पर हमारा विश्वास नहीं है, आर्मी पर हमारा पूरा विश वास है। विश्व हिंदू परिद् वहां 18 जून से निर्माण का काम करने जा रही है, इस प्रकार की घोणा वहां हुई है। इसलिए प्रमोद महाजन जी से मेरा अनुरोध है कि वे इसके बारे में जवाब दें कि वहां आर्मी जल्दी से भेजी जा रही है या नहीं।

MR. DEPUTY-SPEAKER: This is `Zero Hour'. You have drawn the attention of the Government. I know it is a very serious issue. I understand this. But during `Zero Hour' you can raise an issue but you cannot compel the Government to respond.

श्री रामदास आठवले : उपाध्यक्ष जी, वहां देश की इंटैगरिटी को तोड़ने की बात हो रही है और यह बहुत ही सीरियस बात है। उपाध्यक्ष जी, राम का मंदिर बनाना है तो उसमें हम भी सहयोग देंगे, लेकिन उसी जगह पर राम मंदिर बनाने पर हमारा विरोध है। राम मंदिर दूसरी जगह पर बनना चाहिए।

स□□(व्यवधान)जब तक हाईकोर्ट का फैसला नहीं आता है ऐसा कोई काम वहां नहीं होना चाहिए। राम मंदिर के लिए हम आपको दूसरी जगह देते हैं, उस जगह पर आप राम मंदिर बनाइये। इसलिए प्रमोद महाजन जी, मुझे आपका जवाब चाहिए कि आप वहां आर्मी भेज रहे हैं या नहीं।

उपाध्यक्ष महोदयः आप बहुत सीनियर हैं। शून्यकाल में जो मैटर उठाया जाता है, उसका यहां जवाब नहीं दिया जाता। यह प्रश्नकाल नहीं है। आपने सरकार का इस तरफ ध्यान आकर्ति किया। अगर सरकार रिएक्ट करना चाहती है तो मुझे कोई एतराज नहीं है। मैं उन्हें कम्पैल नहीं कर सकता।

श्री रामदास आठवले : मैं जूनियर हूं। मैं दूसरी बार लोक सभा में आया हूं।

उपाध्यक्ष महोदयः दूसरी बार आए हैं तो सीनियर हैं।